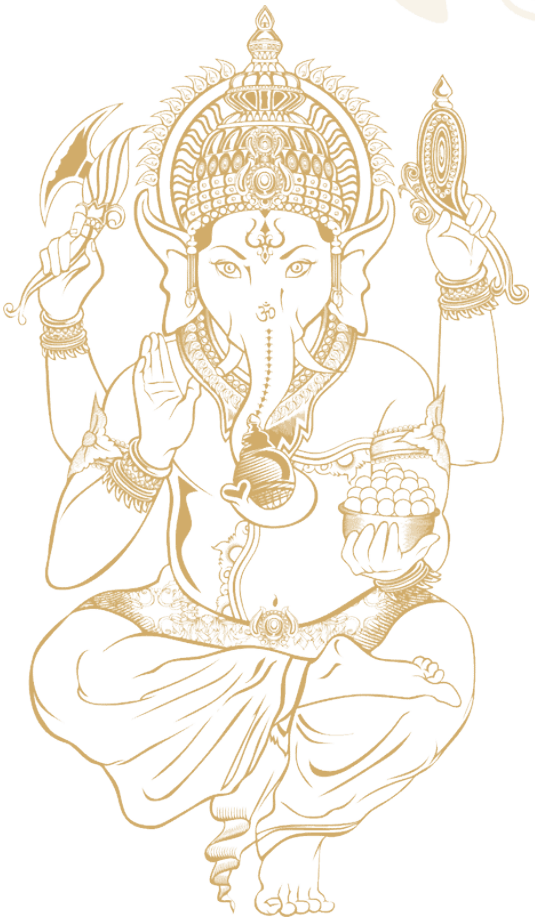

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120194905

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
15/01/1995 :	जन्म तिथि	: 21/07/1993
रविवार :	दिन	: बुधवार
घंटे 20:47:00 :	जन्म समय	: 19:51:00 घंटे
घटी 33:56:45 :	जन्म समय(घटी)	: 35:25:21 घटी
India :	देश	: India
Hindaun :	स्थान	: Delhi
26:44:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
77:02:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:52 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:12:17 :	सूर्योदय	: 05:36:18
17:50:10 :	सूर्यास्त	: 19:18:21
23:47:29 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:46:19

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 3वर्ष 6मा 19दि		10:18:33	सिंह	लग्न	मक	15:25:27	केतु 5वर्ष 0मा 9दि	
शनि		01:12:57	मक	सूर्य	कर्क	05:03:16	चन्द्र	
05/08/2014		17:22:02	मिथु	चंद्र	सिंह	03:45:33	31/07/2024	
05/08/2033		07:48:20	सिंह व	मंगल	सिंह	22:58:07	31/07/2034	
शनि	08/08/2017	19:17:51	मक	बुध व	मिथु	25:12:08	चन्द्र	31/05/2025
बुध	17/04/2020	13:45:16	वृश्चि	गुरु	कन्या	14:31:11	मंगल	30/12/2025
केतु	27/05/2021	14:22:07	वृश्चि	शुक्र	वृष	23:22:44	राहु	01/07/2027
शुक्र	27/07/2024	15:32:17	कुंभ	शनि व	कुंभ	05:14:24	गुरु	30/10/2028
सूर्य	09/07/2025	18:12:51	तुला व	राहु व	वृश्चि	17:22:51	शनि	31/05/2030
चन्द्र	07/02/2027	18:12:51	मेष व	केतु व	वृष	17:22:51	बुध	31/10/2031
मंगल	18/03/2028	02:32:16	मक	हर्ष व	धनु	26:04:31	केतु	31/05/2032
राहु	23/01/2031	29:19:45	धनु	नेप व	धनु	25:44:21	शुक्र	30/01/2034
गुरु	05/08/2033	06:09:48	वृश्चि	प्लूटो व	तुला	28:59:25	सूर्य	31/07/2034

लग्न-चलित

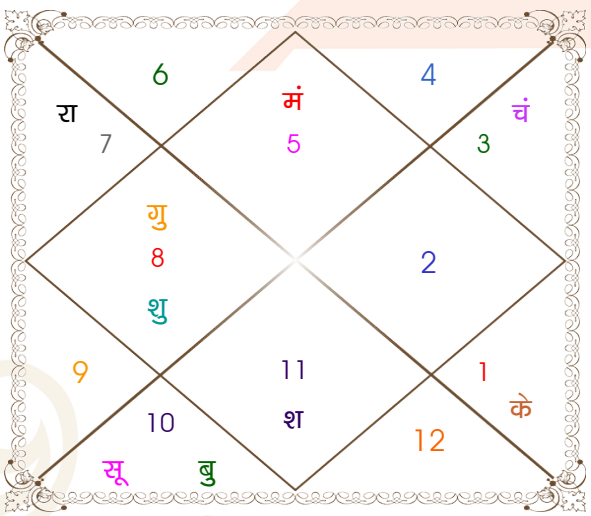

लग्न-चलित

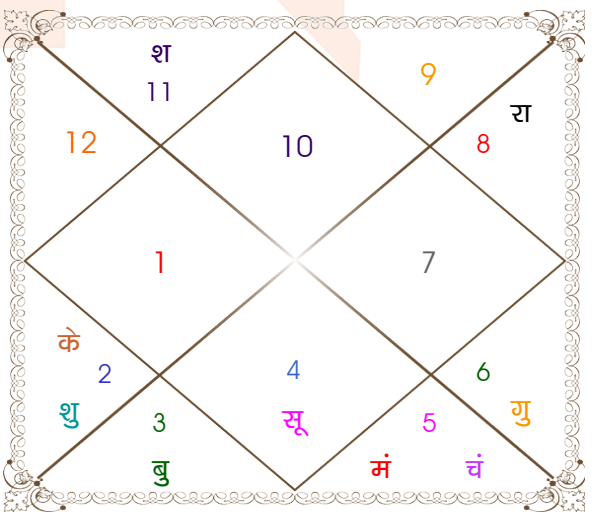

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Mr. का वर्ग सिंह है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।